

मेज पर बैठते ही सिर्फ दो... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



16 साल की उम्र में ही दीपिका.. 11

वर्ष - 02, अंक - 225 | गाजियाबाद / मंगलवार 17 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

160 साल पुरानी कोठी में शिफ्ट होंगे डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 160 साल पुराने और पुनर्निर्मित कुमार कृपा गेस्ट हाउस में रहने जा रहे हैं। इस गेस्ट हाउस का नाम बदलकर गंगा रख दिया गया है। सोमवार को डीके शिवकुमार के घर का पारंपरिक गृह प्रवेश समारोह हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ, हिंदू परंपराओं और शास्त्रों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान और विशेष पूजा करने के बाद इस हेरिटेज में प्रवेश किया। ये अनुष्ठान रविवार रात को शुरू हुए, जिसमें परिवार के सदस्यों ने तैयारियों में हिस्सा



लिया। यह समारोह कार्तिक महीने के एक शुभ समय पर आयोजित किया जा रहा है। पूजा और अन्य अनुष्ठान कराने वाले पुजारियों के दल का नेतृत्व नोनाविनाकेरे के संत अज्जैया कर रहे थे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इमारत के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। डीके शिवकुमार ने पूरी इमारत का जीर्णोद्धार इस तरह कराया है कि इसके मूल ऐतिहासिक ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचे। 1880 में बनी यह दो मंजिला पत्थर की इमारत 14 एकड़ में फैली हुई है। इसमें 12 कमरे, एक बड़ा हॉल और एक रसोईघर है। इमारत के कमरों के नाम नदियों के नाम पर रखे गए हैं। यह इमारत मूल रूप से मैसूर के दीवान रहे सर के. शेषाद्रि अय्यर का निजी आवास था। भगवान कुमारस्वामी के परम भक्त होने के कारण उन्होंने इस आवास का नाम कृमार कृपा रखा था। बाद में मैसूर के महाराजाओं ने इस इमारत को खरीद लिया।

आंखें बंद करता हूं तो सामने दिखते हैं दादा

पुणे (एजेंसी)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवाड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक



था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। दादा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था।

एसआईआर किसके इशारे पर हुआ, किसने बदला फॉर्म-6!

ज्ञानेश वद्द मार से 48 सवाल पूछने के लिए कांग्रेस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे में वोट चोरी से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है। कांग्रेस के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अब सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस ने जानकारी दी कि उसने आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और आईटी महानिदेशक व्यक्तिगत रूप से इन सवालों के जवाब दें। कांग्रेस द्वारा



जारी सवालों की लिस्ट में मुख्य रूप से यह पूछा गया है कि देशभर में एसआई कराने का निर्णय किसने लिया और फॉर्म 6 में बदलाव को किसने मंजूरी दी। इसके अलावा भी कई सारे सवाल हैं।

भारतीय सेना को अंदरूनी लोगों से है ज्यादा खतरा

एयरफोर्स चीफ ने बताया,इस साल हनी ट्रैप के 4 मामले

● हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी हो रही जासूसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें



नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं।

सरकारी क्षेत्र, सेना की लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है। दीक्षित ने कहा कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर चुनने के बारे में सलाह देने के लिए एक एजेंसी भी काम कर रही है।

कंपनियों को दी गई सलाह का पालन करना चाहिए। इससे ज्यादातर मामलों में साइबर सुरक्षा के खतरों से बचा जा सकता है।

भारत को बांटने की कोशिशें जारी, एकजुट रहें

मोहन भागवत बोले-अलगाववाद को बढ़ावा देकर रची जा रही है साजिश

जयपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और छोटी पहचानों को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया। भागवत रविवार को जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर मरु निनाद 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने आरोप लगाया कि भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने और संघर्ष पैदा करने की कोशिशें हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो।

अतीत के आक्रमण और शिक्षा- भागवत ने वर्तमान स्थिति को नाजुक बताया और लोगों से एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत का अर्थ पूरे विश्व का कल्याण होगा। उन्होंने अतीत के विदेशी आक्रमणों का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि भारतीयों ने हमेशा बाहरी हमलों का विरोध करने के लिए एकजुटता दिखाई है। आक्रमणकारियों ने हमारे सिस्टम को नष्ट कर अपनी शिक्षा प्रणाली थोप दी। इसके परिणामस्वरूप, जो लोग कभी समृद्ध थे, वे गरीब हो गए।

संगीत परंपरा और लत पर चेतावनी

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। भागवत ने आरएसएस की संगीत परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संगीत मनोरंजन के साथ-साथ साहस और आत्म-सम्मान को प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है। संगठन के संगीतकार पेशेवर नहीं हैं, बल्कि उनके प्रदर्शन भारतीय मूल्यों, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पीएम मोदी आसियान समिट के लिए फिलीपींस पहुंचे

● एयरपोर्ट पर फूल माला पहनाकर स्वागत,आज ट्रम्प से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के दौरे पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। मोदी 17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत समिट और 21वें ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात होगी। दोनों नेता क्वाड देशों की बैठक में साथ बैठेंगे। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।



चीन के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा कर सकते हैं क्वाड देश- क्वाड में भारत,अमेरिका,जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी, लेकिन चीन की नाराजगी की आशंका के चलते एक साल बाद इसकी बैठकें बंद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे फिर से शुरू किया। इसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना और चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। मनीला में होने वाली यह बैठक करीब दो साल बाद चारों देशों के नेताओं की पहली आमने-सामने बैठक होगी। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भी यह पहली क्वाड लीडर्स मीटिंग है। चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी इस बैठक में बात हो सकती है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने मोदी को समिट में शामिल होने के लिए न्योता दिया है।

यूपी में ब्रेड से लेकर केक पेस्ट्री तक की होगी जांच

केमिकल और प्रतिबंधित रंगों के इस्तेमाल पर होगी कार्रवाई



लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ब्रेड, बिस्कुट, केक, पेस्ट्री, कुकीज, चॉकलेट और कैंडी बनाने व बेचने वाले कारोबारियों को अब खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। घटिया कच्चा माल, प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल, अस्वच्छ तरीके से बनाए गए उत्पादों को लेकर भ्रामक दावे करने पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बेकरी और कन्फेक्शनरी कारोबार के लिए स्टोरेज, उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत निर्माण इकाइयों के साथ कैफे और दुकानों के काउंटर भी जांच के दायरे में रहेंगे।

यूपी में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

● राहुल गांधी बोले-हमें सबको साथ लेकर चलना होगा ● प्रियंका गांधी की अगुआई में पांच सदस्यीय टीम बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी



लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसीडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर बड़ा दावा किया है।

आराधना मिश्रा बोलीं-सीट शेयरिंग पर अभी फैसला नहीं हुआ

बैठक से पहले कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 17 नवंबर को सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा चल रही है और प्रदेश के नेताओं से सुझाव मांगे गए हैं। बैठक के बाद सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकी ढेर

इनमें एक लश्कर कमांडर,जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू में मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के



दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुठभेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन का दल नौपोरा अखरन इलाके में नियमित ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान पैदल पहुंचे दो आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान घायल हुए तीनों जवानों को जीएमसी अनंतनाग में भर्ती कराया गया। घायलों में हेड कांस्टेबल सोमवीर सिंह, कांस्टेबल राकेश दास और कांस्टेबल संतोष चंद्रू शामिल हैं। संतोष चंद्रू पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

पोस्टर चस्पा होने के तीन दिन बाद आतंकी हमला

कश्मीर में वांछित आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बीच पोस्टर चस्पा होने के महज तीन दिन बाद कुलगाम में आतंकी हमला हुआ। श्रीनगर के लाल चौक समेत प्रमुख स्थानों पर रविवार को लश्कर-ए-ताइबा के स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ भट समेत चार वांछित आतंकियों के पोस्टर लगाए गए थे। बुधवार को कुलगाम के अखरन में सुरक्षाबलों के नाके पर हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। रविवार को प्रताप पार्क, लाल चौक और श्रीनगर के अन्य प्रमुख स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में कुलगाम के खेवान चद्दर निवासी मोहम्मद लतीफ भट के अलावा सोपोर के बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और बारामूला के आबिद कयूम लोन की तस्वीरें और पते सार्वजनिक किए गए थे। इसके तीन दिन बाद बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे मीर बाजार के पास अखरन (नौपोरा) में नाके पर आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने फेरन के भीतर हथियार छिपा रखे थे। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद वे फरार हो गए।

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

● सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के मामलों को विशेष एनआईए अदालत में भेजा

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं। मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

अंदरुनी जासूसी और साइबर हमले से सेना को सबसे बड़ा खतरा : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेतावनी दी है कि सेना को विदेशी जासूसी नेटवर्क से नहीं, बल्कि अंदरुनी लोगों से सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क अब केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर जासूसी, सोशल मीडिया पर प्यार का झांसा, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सेना ने तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई कदम उठाए हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों पर लागू होती है। वायुसेना प्रमुख दीक्षित ने बताया कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर के चयन के लिए विशेष एजेंसी सलाह दे रही है। उन्होंने कंपनियों को इन सलाहों का पालन करने, जिससे ज्यादातर साइबर सुरक्षा खतरों से बचा जा सकता है।



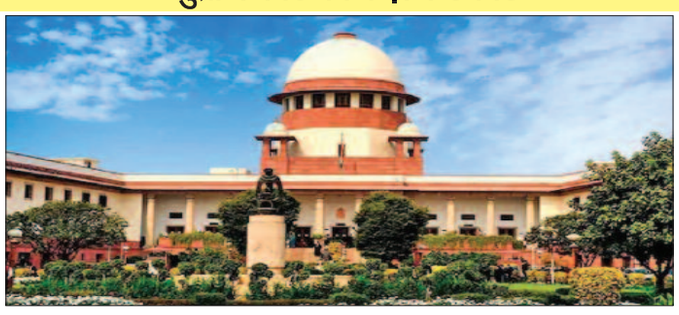
कुंडा में धीरेंद्र शास्त्री की श्रीराम कथा : सुरक्षा के कड़े इंतजाम

● 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी होंगे शामिल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जिले के कुंडा स्थित बेंती राजभवन परेड ग्राउंड में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भव्य श्रीराम कथा सुनाएंगे। इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में कुंडा विधायक राजा भैया के विशेष निमंत्रण पर जोधपुर शिविर से 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटकर करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय के अनुसार, कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में विभाजित किया गया है, जिसकी निगरानी एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे। इनमें एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी और छह सीओ सहित फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रयागराज कमिश्नरेट का अतिरिक्त बल भी शामिल है। सीसीटीवी कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर 16 से 20 नवंबर तक कुंडा में रूट डायवर्जन लागू रहेगा और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बेंती में आयोजित इस कथा के लिए विशाल पंडाल तैयार किए गए हैं।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार



नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

● इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

● मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती

गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।



राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर डिजिटल पॉडकास्ट की शुरूआत, सरकारी योजनाओं की जानकारी अब नए माध्यम से पहुंचेगी जनता तक





देहरादून (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय देहरादून में डीआईपीआर डिजिटल पॉडकास्ट का औपचारिक शुभारंभ किया गया। सूचना महानिदेशक एवं एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्वयं पहले पॉडकास्ट की रिकॉर्डिंग कर इस डिजिटल पहल की शुरूआत की। इस माध्यम से सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़ी जानकारियों को आम जनता तक सरल और प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में पॉडकास्ट सूचना और संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इसके जरिए सरकार की योजनाओं और विभिन्न जनहितकारी गतिविधियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग केवल सूचना प्रसारित करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके जरिए समाज में सकारात्मक संवाद को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

सोशल मीडिया पर फैल रही फर्जी खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बिना पुष्टि के भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने से समाज में भ्रम और गलतफहमी पैदा हो सकती है। उन्होंने सोशल मीडिया के जिम्मेदार और सकारात्मक उपयोग पर विशेष जोर दिया।

स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को वैश्विक पहचान दिलाने में डिजिटल माध्यमों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने हरेला, इगास और छठ पूजा जैसे पर्वों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराएं देश-दुनिया तक पहुंच रही हैं। उन्होंने युवाओं और पत्रकारिता के विद्यार्थियों से विश्वसनीय सूचनाओं तथा जनजागरूकता के प्रसार में डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक उपयोग करने की अपील की।

इस दौरान उन्होंने जिला सूचना कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी प्रियंका जोशी, अपर जिला सूचना अधिकारी रवेन्द्र सिंह नेगी, कनिष्ठ सहायक इंद्रेश कोठारी सहित कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

सनसनी नहीं, जिम्मेदारी पत्रकारिता की पहचान, राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर तथ्यपरक खबरों पर दिया जोर

देहरादून (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय में सोमवार को ह्यपत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिला सूचना अधिकारी प्रियंका जोशी की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में पत्रकारिता की बदलती भूमिका, मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी, समाचारों की विश्वसनीयता, निष्पक्षता और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता में सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और तथ्यों की प्रमाणिकता सर्वोपरि होनी चाहिए।

गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए जिला सूचना अधिकारी प्रियंका जोशी ने उपस्थित पत्रकारों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के कारण सूचनाओं का प्रसार पहले की अपेक्षा बेहद तेज हो गया है। ऐसे में पत्रकारों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। समाचारों को आकर्षक बनाने के प्रयास में उनकी मूल भावना और तथ्यों से समझौता नहीं होना चाहिए। पत्रकारिता का उद्देश्य आमजन तक सही, प्रमाणिक और विश्वसनीय जानकारी पहुंचाना होना चाहिए।



वरिष्ठ पत्रकार बीडी शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और स्वतंत्र चिंतन बेहद आवश्यक हैं। किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसका तथ्यात्मक सत्यापन किया जाना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार गिरिधर गोपाल लुथरा ने संवेदनशील विषयों पर विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि अपुष्ट सूचनाएं समाज में भ्रम और नकारात्मकता पैदा कर सकती हैं। वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम चन्द जोशी ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है, इसलिए आपदा के समय सही और सटीक सूचनाएं पहुंचाना पत्रकारों की विशेष जिम्मेदारी है। वरिष्ठ पत्रकार पिताम्बर कुमार ने कहा कि मीडिया को सरकार, समाज और विभिन्न समुदायों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए जनहित के मुद्दों को प्रमुखता देनी चाहिए। गोष्ठी में इन्द्रेश कोहली, उमाशंकर कुकरेती, प्रेम पंचौली, संदीप शर्मा, हिना, सूर्य प्रकाश, जगमोहन मौर्य, अवनीश कुमार, रमन जायसवाल, कुलदीप सिंह, शिवनारायण, राहुल शर्मा, अमित नेगी, भुवनेश थपलियाल, सोहनवीर सिंह धीरवान, मुकेश कुमार, मानव डोभाल, आकाश सिंह और जसपाल राणा सहित अन्य पत्रकारों ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि सूचनाओं के तेजी से प्रसार के दौर में मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए तथ्यों की पुष्टि, भाषा की मयार्दा और सामाजिक संवेदनशीलता को प्राथमिकता देना जरूरी है। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी रवेन्द्र नेगी, कनिष्ठ सहायक इन्द्रेश सहित जिला सूचना कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। गोष्ठी के समापन पर वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार प्रसारित करने का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, जनसमस्याओं को मंच देने और शासन-प्रशासन को जवाबदेह बनाने का सशक्त माध्यम है।



मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार ही नहीं बाजार का मिजाज बदल जाता है

जयशंकर ने साफ कर दिया- भारत अमेरिका ट्रेड डील अब अपने आखिरी पड़ाव पर



नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भारत और अमेरिका जब ये दोनों देश किसी कागज पर दस्तखत करने के लिए एक मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार नहीं बदलता बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और बाजार का मिजाज बदल जाता है और इस वक्त दिल्ली से लेकर वाशिंगटन तक एक ही चर्चा भारत अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सबसे तेज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया समिट में साफ कर दिया कि लंबे समय से अटका हुआ यह व्यापार समझौता अब अपने आखिरी पड़ाव पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भारत और अमेरिका ने व्यापार से जुड़े ज्यादातर मुद्दे सुलझा लिए हैं। बातचीत अब अंतिम चरण में है और यह समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन उनके बयान का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह है जहां उन्होंने गेंद सीधे अमेरिका के पाले में डाल दी है। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा अब बस कुछ आखिरी मुद्दे बचे हैं और इनमें से कोई हमारी तरफ से नहीं है क्योंकि हमारी तुलना में अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आखिरी दौर में हर कोई थोड़ा बेचैन हो जाता है।

विदेश मंत्री का इशारा साफ है भारत की नीतियों में निरंतरता रही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी पक्ष की प्राथमिकताओं और शर्तों में काफी बदलाव आए हैं। ऐसे में आखिरी वक्त की जो भी अड़चनें या बेचैनी है वो वाशिंगटन की तरफ से होने वाले बदलावों की वजह से है ना कि दिल्ली की वजह से। विदेश मंत्री का यह बयान ठीक उस वक्त आया है जब अगले ही महीने 14-15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। ट्रंप नेशनल डोरल मियामी फ्लोरिडा अमेरिका की अध्यक्षता में होगा। यह संभावित मुलाकात है इस समिट में पीएम मोदी के शामिल होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समिट में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षी मुलाकात हो सकती है। इसी मंच पर दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा तय होगी और पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और अमेरिका इस बहु प्रतीक्षित ट्रेड डील का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। अब बात करेंगे आखिर इस ट्रेड डील में क्या-क्या दांव पर है। जब दो बड़े लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार समझौता करती हैं तो हर देश अपने किसानों, उद्योगों और आम नागरिक के हितों की रक्षा करना चाहता है। टैरिफ का पेंच है। ट्रंप प्रशासन की नीति रही है कि जो देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उनके सामान पर उतना ही टैक्स लगाएगा। देश की एक बड़ी आबादी की आजीविका, खेती और पशुपालन पर निर्भर है। भारत किसी भी कीमत पर अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं कर सकता।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली, एजेंसी । देशभर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। यह पर्व सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। इस पावन अवसर पर देशभर के साथ-साथ नेपाल के बीरगंज सहित विभिन्न हिस्सों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की। लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के प्रतीक इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार तड़के से ही दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में नदी, तालाबों और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचे। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सभी ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

हिमांशु नागपाल ने संभाला गाजियाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त का कार्यभार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वर्ष 2019 बैच के आईएएस अधिकारी हिमांशु नागपाल ने गाजियाबाद नगर निगम के नए नगर आयुक्त के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है। निगम मुख्यालय पहुंचने पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। दूसरी ओर, निवर्तमान नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (वीसी) का पदभार संभालने पर महापौर सुनीता दयाल सहित निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।



पदभार ग्रहण करने के उपरांत नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने महापौर सुनीता दयाल से शिष्टाचार भेंट की तथा निगम के समस्त अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि शहर के सर्वांगीण विकास और जनहित के



कार्यों को गति देने के लिए पूरा निगम एक टीम के रूप में कार्य करेगा तथा जनसहभागिता के माध्यम से सभी योजनाओं को सफल बनाया जाएगा।

चार्ज संभालने के तुरंत बाद नगर आयुक्त ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग किया, जिसमें उन्होंने शहर में डस्ट मैनेजमेंट (धूल नियंत्रण) और वेस्ट मैनेजमेंट (कचरा प्रबंधन) को लेकर नगर निगम की आगामी कार्ययोजनाओं को साझा किया। इसके बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ इन दोनों विषयों पर विशेष चर्चा करते हुए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता (निर्माण) नरेंद्र कुमार चौधरी और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंभावली शुगर मिल चालू कराने की मांग को लेकर छठे दिन भी जारी रहा धरना

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली शुगर मिल का वर्ष 2026-27 का पेराई सत्र शुरू कराने की मांग को लेकर शुगर मिल्स लेबर यूनियन का धरना सोमवार को छठे दिन भी जारी रहा। इस आंदोलन को समाजवादी पार्टी और भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने अपना समर्थन देते हुए मिल का संचालन शीघ्र शुरू कराने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मिल चालू नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

धरनास्थल पर भाकियू टिकैत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी कुशलपाल आर्य, सपा जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर और विधानसभा क्षेत्र के सपा नेता सिद्धार्थ चौधरी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और मजदूरों की मांगों का समर्थन किया। इस दौरान सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने फोन के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मिल चालू न होने से किसानों और मजदूरों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है, यदि समाधान नहीं हुआ तो पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी। सपा नेताओं ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि मिल से जुड़े लगभग 174 गांवों की अर्थव्यवस्था गन्ने की खेती पर निर्भर है, लेकिन संचालन बाधित होने से हजारों किसानों और कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने बताया कि गन्ना आयुक्त द्वारा



वर्ष 2026-27 के सत्र के लिए मिल को केवल मिल गेट और छह क्रय केंद्र आवंटित किए गए हैं, जो मिल की पेराई क्षमता के मुकाबले अत्यंत कम हैं।

धरनास्थल पर पहुंचे एसडीएम अशोक सैनी, सीओ राहुल यादव और श्रम निरीक्षक सुधा चौहान ने मजदूरों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिलाधिकारी कविता मीना मिल को चालू कराने के लिए शासन स्तर पर लगातार वार्ता कर रही हैं और जल्द ही क्रय केंद्र वापस दिलाकर मिल का संचालन शुरू करा दिया जाएगा। वहीं, कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सिंभावली गन्ना समिति का घेराव करेंगे। धरने में चौधरी शीशपाल सिंह, तसव्वर चेयरमैन, धीर सिंह प्रधान, उदयवीर सिंह, केपी मुखिया, मोहित नगर, दिनेश और लताफत सहित बड़ी संख्या में किसान एवं मजदूर मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का आगाज, जागरूकता रैली से दिया सुरक्षित सफर का संदेश

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जागरूकता रैली निकालकर लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क पर सावधानी बरतने की अपील की गई।

रोडवेज बस स्टैंड के निकट जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी महेश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। वाहन चलाते समय लापरवाही से बचना चाहिए और निर्धारित यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी महेश शर्मा ने कहा कि जीवन अनमोल है और इसकी सुरक्षा के



प्रति प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं जागरूक रहना होगा। विभाग जागरूकता अभियान चला सकता है, लेकिन नियमों का पालन करके अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना वाहन चालकों की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई। इसमें शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने, वाहन के आवश्यक दस्तावेज तथा वाहन चलाने का अनुज्ञापत्र साथ रखने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने का संकल्प लिया गया।

इसके अलावा यातायात संकेतों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, आपातकालीन सेवाओं के वाहनों को रास्ता देने, गलत दिशा से आगे नहीं निकलने, निर्धारित लेन में वाहन चलाने तथा वाहनों की नियमित जांच और मरम्मत कराने की भी शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर यात्रीकर अधिकारी मुन्ना लाल, क्षेत्रीय प्रबंधक अशोक कुमार सिंह सहित परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कूल जाते समय घोड़ा-बुग्गी ने किशोर को कुचला, 13 वर्षीय मयंक की मौत से गांव में मातम



बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हीमपुर दिसौदी उर्फ मुख्यारपुर में सोमवार सुबह तेज गति से आ रही घोड़ा-बुग्गी की टक्कर से 13 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय किशोर स्कूल जा रहा था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के दादा ने घोड़ा-बुग्गी चालक के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी मदनपाल सिंह का 13 वर्षीय पौत्र मयंक कुमार सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। आरोप है कि जैसे ही वह गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित गेट के पास पहुंचा, तभी अलीपुर निवासी नसीम का पुत्र वसीम तेज गति और लापरवाही से घोड़ा-बुग्गी लेकर वहां पहुंचा और मयंक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि किशोर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। मयंक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी शोक व्याप्त है। मृतक के दादा मदनपाल सिंह ने थाना नजीबाबाद पहुंचकर आरोपी घोड़ा-बुग्गी चालक वसीम के खिलाफ तहरीर दी और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

हापुड़ में सड़क सुरक्षा पखवाड़े का हुआ भव्य शुभारंभ



हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से 16 नवंबर से 30 नवंबर तक चलने वाले 'सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' का सोमवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जिलाधिकारी कविता मीना ने कलेक्ट्रेट परिसर से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घूमकर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए हर नागरिक को यातायात नियमों का पालन करना अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझना चाहिए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा मानक हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं तथा भूलकर भी वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग या शराब का सेवन न करें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि पखवाड़े के दौरान विद्यालयों, कालेजों और प्रमुख चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, ताकि विशेषकर युवाओं को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी छवि सिंह चौहान, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पूठिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी, उद्योग उपायुक्त खुशबू सिंह, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुनीता मंडार, यात्रीकर अधिकारी प्रीति पांडेय, प्रधान सहायक राम आसरे तिवारी, सत्य प्रकाश प्रधान, नदीम सुब्हानी और सूरज तिवारी सहित तमाम अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

परमजीत सिंह पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाबूगढ़ क्षेत्र निवासी परमजीत सिंह पर गोली मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को नवादा नहर पुल के पास से दबोचा। आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस के अनुसार, थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी परमजीत सिंह पर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में सिंभावली थाने में



मुकदमा संख्या 296/2026 के अंतर्गत बीएनएस की धारा 191(2), 191(3), 115(2) व 109(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपी शोभित उर्फ काले पुत्र राजकुमार, निवासी ग्राम कनिया कल्याणपुर, थाना बाबूगढ़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2017 में भी थाना बाबूगढ़ में हत्या के प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक आलोक कुमार, उपनिरीक्षक परवेज चौधरी, हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह और कांस्टेबल मनीष राठी शामिल रहे।

ऑपरेशन सवेरा के तहत स्मैक तस्कर गिरफ्तार, 21.65 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद



रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनपद सहारनपुर में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर मनिहारान थाना कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 21.65 ग्राम स्मैक बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने नगर के पश्चिमी छोर पर स्थित ईदगाह के पीछे कब्रिस्तान के गेट के अंदर से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 21.65 ग्राम स्मैक बरामद हुई। थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दानिश पुत्र शेर दीन निवासी मोहल्ला महल, कस्बा एवं थाना रामपुर मनिहारान, जनपद सहारनपुर बताया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना रामपुर मनिहारान में मुकदमा संख्या 364/26 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 में मामला दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक ललित कुमार, कांस्टेबल दलवीर और कांस्टेबल विशाल कुमार शामिल रहे। थाना प्रभारी सुनील नागर ने कहा कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ ऑपरेशन सवेरा अभियान लगातार जारी रहेगा। नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर डीएम ने की बैठक





गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 17 नवंबर को आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने जानकी भवन, कवि नगर रामलीला मैदान में जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ और सुपरवाइजरों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यों को पूर्ण शुद्धता, पारदर्शिता और नियमानुसार संपन्न कराने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक मतदाता सूची के संबंध में दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में 17 से 30 नवंबर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन अभियान चलाया जाएगा, जबकि 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवसों पर सभी बीएलओ अपने बूथों पर उपस्थित रहकर कार्य करेंगे। इसके अतिरिक्त, 17 नवंबर को सूची प्रकाशन के बाद सभी बीएलओ बूथों पर नागरिकों के समक्ष मतदाता सूची का वाचन भी करेंगे।

जिलाधिकारी ने निर्वाचन ड्यूटी में लगे कार्मिकों को अनावश्यक अवकाश न लेने की हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभागाध्यक्षों को पहले ही निर्देशित किया जा चुका है कि निर्वाचन कार्यों में लगे कर्मचारियों को विभागीय दायित्वों से मुक्त रखा जाए। यदि किसी स्तर पर इसमें लापरवाही पाई जाती है, तो इसे निर्वाचन आयोग के निदेशों की अवहेलना मानते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सुपरवाइजरों व अधिकारियों को अपने अधीनस्थों के कार्यों की निरंतर निगरानी और स्वयं सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों, कार्मिकों और आमजन से 'ईसीआई नेट ऐप' डाउनलोड करने की अपील की, ताकि नागरिक सूची में अपना नाम जांच सकें। उन्होंने जानकारी दी कि यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल नहीं है, तो वे फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं, जबकि विवरण में संशोधन या मोबाइल नंबर जोड़ने के लिए फॉर्म-8 का उपयोग किया जा सकता है। बैठक के अंत में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड किए गए ईसीआई नेट ऐप का प्रदर्शन भी किया।

प्रदीप किशोर भटनागर को मिली कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी



बिजनौर (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से जैन धर्मशाला में सक्रिय सदस्य बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के सक्रिय सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नजीबाबाद की डॉ. अनुपमा माथुर को समाजसेवा तथा धामपुर के पंकज भटनागर को सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

बैठक में वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप किशोर भटनागर को सर्वसम्मति से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का नया जिलाध्यक्ष घोषित किया गया। उनके चयन पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई। पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रकाश भटनागर ने समाज की एकजुटता बनाए रखने और संगठन की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने पर जोर दिया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रदीप किशोर भटनागर ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए महासभा को मजबूत बनाने तथा समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान संगठनात्मक विस्तार करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रकाश भटनागर को संरक्षक, रितेश भटनागर को महामंत्री और अरुण भटनागर को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही विभिन्न पदों पर नई जिला कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम में राजवर्धन भटनागर सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

करोड़ों खर्च और बाईपास निर्माण के बाद भी नहीं सुधरी ट्रैफिक व्यवस्था

हापुड़ (शिखर समाचार)। कभी 'पापड़ नगरी' के रूप में देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला हापुड़ अब बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था के चलते 'जाम नगरी' बनता जा रहा है। शहर में हर सोमवार को लगने वाले भीषण जाम से आम जनता का हाल बेहाल है। स्थिति यह है कि करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है और लगातार लगते इस जाम के ध्वनि प्रदूषण से लोग गंभीर परेशानियों का शिकार हो रहे हैं।

चार दशक पहले हापुड़ के पापड़ की वैश्विक स्तर पर धूम हुआ करती थी, लेकिन आज यह पहचान तहसील चौराहा और मेरठ तिराहा पर हर हफ्ते लगने वाले विकराल जाम के साए में धूमिल हो रही है। इस समस्या से न सिर्फ स्थानीय व्यापार भारी रूप से प्रभावित हो रहा है, बल्कि राहगीरों, दुकानदारों और स्कूली बच्चों को भी रोजाना भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निजामपुर से ततारपुर तक करोड़ों की लागत से बाईपास का निर्माण कराया गया था। तत्कालीन केंद्र सरकार के मंत्री चंद्रभुवन खंडूरी ने इसका उद्घाटन करते हुए जनता को जाम से मुक्ति मिलने का भरोसा दिलाया था। हालांकि, स्वार्थी वाहन चालकों द्वारा बाईपास का उपयोग करने के बजाय शहर के भीतर से



गुजरना पसंद करने और बेकाबू डग्गामार वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। प्रशासनिक दावों की पोल इस बात से भी खुलती है कि हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण और पुलिस विभाग द्वारा तहसील चौपला, मेरठ तिराहा और पक्का बाग चौराहा पर लाखों रुपये खर्च कर लगवाई गई ट्रैफिक लाइटें देखरेख के अभाव में कबाड़ में तब्दील हो चुकी हैं। कई जगहों पर लाइटें खंभों से टूटकर नीचे लटक रही हैं। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि यातायात पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के रोजाना इसी जाम से गुजरने के बावजूद इस गंभीर समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

एलायंस क्लब हापुड़ क्रिस्टल के पदाधिकारियों ने धीरखेड़ा गौशाला में गौसेवा कर मनाई वैवाहिक वर्षगांठ

हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब हापुड़ क्रिस्टल (डिस्ट्रिक्ट 142-एन) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने आठवें मासिक सेवा प्रोजेक्ट के अंतर्गत धीरखेड़ा स्थित श्रीजी गौशाला में पहुंचकर गौसेवा की। इस दौरान क्लब के सदस्यों की वैवाहिक वर्षगांठ भी सेवा कार्यों के साथ सादगी और हर्षोल्लास से मनाई गई।

कार्यक्रम में उपस्थित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भगवंत गोयल ने कहा कि एलायंस क्लब एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो निरंतर सामाजिक हित और मानवता की सेवा के कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाती है। क्लब के अध्यक्ष रवि मोहन गर्ग ने गौसेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में गौसेवा को अत्यंत पुण्य का कार्य माना गया है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।



सचिव योगेंद्र अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में दया, करुणा और सेवा भावना का विकास होता है। वहीं कोषाध्यक्ष कपिल अग्रवाल ने बताया कि क्लब पिछले कई वर्षों से गौसेवा, जल सेवा और शर्बत वितरण जैसे जनकल्याणकारी कार्य करता आ रहा है और भविष्य में भी यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर क्लब के सचिव योगेंद्र अग्रवाल तथा सदस्य राहुल जैन की वैवाहिक वर्षगांठ गौशाला परिसर में ही सभी सदस्यों व परिजनों की उपस्थिति में मनाई गई।

इस सेवा प्रोजेक्ट में पीआरओ एवं प्रोजेक्ट चेयरमैन सर्वेश गोयल, धीरज गर्ग, दीपक गर्ग, अचिन जैन, राहुल जैन, राजेश वर्मा, सचिन अग्रवाल, संजय वर्मा, पंकज कंसल और सीमा गोयल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

100 वर्ग मीटर निर्माण पर नक्शे से छूट, पंजीकरण अनिवार्य

वाराणसी, एजेंसी। 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय निर्माण के लिए नक्शे की स्वीकृति से छूट है लेकिन ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। वीडीए के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने कहा कि आम जनता में यह धारणा है कि 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय निर्माण के लिए नक्शे की आवश्यकता नहीं होती। वीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि यह धारणा भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2025 के अनुरूप नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय उपयोग के लिए नक्शा स्वीकृति से छूट है लेकिन निर्माणकर्ता को उत्तर प्रदेश सरकार के पोर्टल द्वड्डश्च.ह्लश्च.द्दश.द्बट्ट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। सभी संबंधित व्यक्तियों को अपने निर्माण कार्य का पंजीकरण पोर्टल पर करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें निर्धारित शुल्क का भुगतान भी इसी माध्यम से करना होगा। यह नियम सभी नागरिकों पर लागू होता है। पंजीकरण शुल्क और प्रक्रिया आवेदन शुल्क केवल एक रुपये निर्धारित किया गया है।

भाजपा किसान मोर्चा की 38 सदस्यीय क्षेत्रीय टीम घोषित

कानपुर , एजेंसी। भाजपा किसान मोर्चा के कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की नई कार्यकारिणी रविवार देर रात घोषित की गई। मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष बाल मुकुंद शुक्ला ने पदाधिकारियों की सूची जारी की। कार्यकारिणी में 17 जिलों के कार्यकर्ताओं को शामिल करते हुए संगठन के 38 पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है। नई टीम में हेमचंद्र राजपूत, महेंद्र सिंह तोमर, रमाकांत राजपूत, अतुल दीक्षित, भूपेंद्र सिंह, राजन सिंह चौहान, सतीश शुक्ला, हर्ष प्रताप सिंह और अवधेश शर्मा को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। रामू निरंजन और प्रतिपाल सिंह को क्षेत्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिली है। वहीं, सर्वेश यादव, राजीव त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, अजय प्रताप सिंह, जितेंद्र पांडेय, सागर दुबे, सूरज मिश्रा, निर्जेश मिश्रा, सतेंद्र सिंह और धीरेंद्र सिंह को क्षेत्रीय मंत्री बनाया गया है। रामसागर चतुर्वेदी को क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री तथा आशीष गुप्ता और अंकुर शुक्ला को सह कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। रवि सिंह क्षेत्रीय मीडिया संयोजक होंगे जबकि कृपाशंकर शाह और उमाशंकर राजपूत को सह मीडिया संयोजक बनाया गया है। आईटी विभाग में अखिलेश सिंह को क्षेत्रीय संयोजक तथा अंशुल बाजपेई और दिलीप शिवहरे को सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य के रूप में वीर नारायण राजपूत, रामकृष्ण गुर्जर, संतोष मिश्रा, अमरदीप मिश्रा, मनोज दुबे, उपेंद्र सिंह, राजेश कुमार गुप्ता और सुरेश कुमार को शामिल किया गया है। भाजपा के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी के अनुसार नई कार्यकारिणी के सामने किसानों के बीच संगठन की गतिविधियां बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। किसानों की समस्याओं को उठाने के साथ केंद्र और प्रदेश सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर जोर रहेगा।

महिलाओं की 65वीं उप्र बास्केटबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा अलीगढ़

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में महिलाओं की प्रतिष्ठित 65वीं उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल चैंपियनशिप अलीगढ़ में आयोजित की जाएगी। यह तीन दिवसीय टूर्नामेंट 17 से 19 नवंबर तक श्री राजेंद्र सिंह इंटरनेशनल स्कूल मथुरा रोड के परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष की चैंपियनशिप पूर्व सांसद स्वर्गीय शीला गौतम जी की याद में समर्पित है, जो इस क्षेत्र में उनके योगदान और विरासत को सम्मान देती है। भारत सरकार की फ्अस्मिता फ्र योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रोत्साहित करने हेतु भी यह पहल की जा रही है। शीला फोम लिमिटेड समूह की कंपनियों के सीएमडी राहुल गौतम को इस आयोजन का उद्घाटन करने हेतु आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा चैंपियनशिप के दौरान मैचों का आनंद लेने और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए कई अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पूरे उत्तर प्रदेश से शीर्ष रैंकिंग वाली 14 टीमें हिस्सा लेंगी। खेल प्रेमियों को बेहतरीन बास्केटबॉल देखने को मिलेगा, क्योंकि इस टूर्नामेंट में राज्य के खिताब के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे। अलीगढ़ जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन सचिव सुनील दत्त ने कहा खेल प्रेमी इस मौके पर आयोजन का आनंद उठाएं और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करें।

बसों की कमी ने बढ़ाई यात्रियों की मुसीबत

अलीगढ़ , एजेंसी। दिवाली की छुट्टियां खत्म होते ही काम पर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ ने रोडवेज की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। रविवार को सारसौल और मसूदाबाद बस अड्डे पर दिल्ली-एनसीआर जाने वाले यात्रियों का सैलाब उमड़ पड़ा। बसों की कमी और अव्यवस्थाओं के चलते यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। बस आते ही उसमें चढ़ने के लिए धक्कामुक्की शुरू हो जाती। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और बुलंदशहर जाने वाले यात्रियों की भीड़ सुबह से ही बस अड्डों पर जुटनी शुरू हो गई थी। दिन चढ़ने के साथ यात्रियों की संख्या बढ़ती गई, लेकिन बसों के इंतजार में लोग परेशान होते रहे। बस पहुंचते ही यात्री सीट पाने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश करने लगे। कई लोग खिड़कियों से सामान अंदर पहुंचाते तो कुछ दरवाजे पर जगह बनाने के लिए जूझते नजर आए। भीड़ के बीच सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को उठानी पड़ी। सामान और बैग लेकर पहुंचे यात्रियों को बस में चढ़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई यात्री खड़े होकर सफर करने को मजबूर हुए। त्योहार के बाद यात्रियों की भारी भीड़ का अनुमान पहले से था, इसके बावजूद अतिरिक्त बसों और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आए।

पत्रकारिता में सनसनी नहीं, जनहित और निष्पक्षता हो सर्वोपरि: मयूर दीक्षित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला सूचना कार्यालय की ओर से प्रेस क्लब सभागार में 'पत्रकारिता: सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पत्रकारों ने दीप प्रज्वलित कर किया। गोष्ठी में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, मीडिया की विश्वसनीयता, सामाजिक माध्यमों के बढ़ते प्रभाव और पत्रकारों की सामाजिक जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डिजिटल युग में समाचारों के संकलन और प्रसारण के तरीकों में व्यापक बदलाव आया है। सामाजिक माध्यमों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के बीच पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है। समाचारों की



प्राथमिकता लोकप्रियता, तेजी या सनसनी के आधार पर नहीं, बल्कि जनहित और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर तय होनी चाहिए। पत्रकारिता का उद्देश्य सबसे पहले खबर देना नहीं, बल्कि सही, प्रमाणिक और तथ्यपरक जानकारी जनता तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से किसी भी समाचार के प्रकाशन या प्रसारण से पहले तथ्यों और स्त्रोतों की पुष्टि करने तथा भ्रामक और अपुष्ट खबरों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सामाजिक माध्यमों से प्रसारित सूचनाओं एवं तस्वीरों की सत्यता जांचना भी आवश्यक है। गलत सूचनाएं समाज में भ्रम पैदा कर सकती हैं। पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ और शासन-प्रशासन तथा जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। आगामी चुनावों के मद्देनजर उन्होंने पत्रकारों से निष्पक्षता और पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व निभाने का आह्वान किया। गोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार विजेंद्र हर्ष, सुनील दत्त पांडे, आदेश त्यागी, रजनीकांत शुक्ला, राजकुमार और गुलशन नैयर ने भी विचार रखे। वक्ताओं ने पीत पत्रकारिता और सनसनीखेज खबरों पर चिंता जताते हुए तथ्यात्मक पत्रकारिता को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने किया। जिला सूचना अधिकारी रतीलाल शाह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सूर्यकांत बेलवाल, श्रवण कुमार झा, बालकृष्ण शास्त्री, दीपक नौटियाल, अश्विनी अरोड़ा, काशीराम सैनी, हिमांशु द्विवेदी, सुदेश आर्य, प्रतिभा वर्मा, कुमकुम शर्मा, नीलम सैनी, संजय रावल और सतीश गुजराल सहित विभिन्न समाचार पत्रों एवं चैनलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पीएसआईटी में बनेगा साइबर सुरक्षा का एकेडमिक एंड रिसर्च सेंटर

कानपुर , एजेंसी। बढ़ते साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से पीएसआईटी ने बड़ी पहल की है। पीएसआईटी में प्रदेश का पहला साइबर सुरक्षा का एकेडमिक एंड रिसर्च सेंटर बनेगा। इसमें साइबर अपराध और डिजिटल खतरों से निपटने के लिए छात्रों के साथ प्रोफेसरों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। साइबर सुरक्षा की बारीकियां सीखने के साथ ही शोध और तकनीकी समाधान विकसित किए जाएंगे। संस्थान का दावा है यह प्रदेश का पहला सेंटर होगा। डिजिटल दुनिया की बढ़ते कदमों को सुरक्षित रखने में अब पीएसआईटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नेशनल साइबर सिक्योरिटी रिसर्च काउंसिल (एनसीएसआरसी) ने पीएसआईटी में नेशनल साइबर सिक्योरिटी रिसोर्स सेंटर की स्थापना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। इसका शुभारंभ 25 नवंबर को एनसीएसआरसी के डायरेक्टर डॉ. खलीराज एलप्पन करेंगे। यहां छात्र-छात्राओं को किताबी कीड़ा न बनाकर प्रयोगात्मक जानकारियां दी जाएंगी। शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। साइबर सिक्योरिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी जोर रहेगा।

जिला स्तरीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन सेंट मैरी और सोफिया इंटरनेशनल ने दर्ज की जीत

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मल्हीपुर रोड स्थित नालंदा वर्ल्ड स्कूल में सोमवार को जिला स्तरीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन एपेक्स सदस्य लतीफ उर रहमान, सहारनपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव ऋषि चौधरी और विद्यालय के निदेशक मुकुल चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। सहारनपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध इस प्रतियोगिता में जिले के 14 विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में सेंट मैरी एकेडमी मिशन कंपाउंड ने आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल को 10 विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आशा मॉडर्न की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 139 रन बनाए। कृष्णा गश्यप ने 40 गेंदों पर 27, नटेक ने 18 गेंदों पर 28 और राजवर्धन ने 11 गेंदों पर 28 रन बनाए। जवाब में सेंट मैरी एकेडमी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए बिना कोई विकेट गंवाए 9.2 ओवर में 144 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। तन्मय ने 29 गेंदों पर नाबाद 66 और अभिमन्यु ने 30 गेंदों पर नाबाद 60 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के लिए तन्मय को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

दूसरे मुकाबले में सोफिया इंटरनेशनल स्कूल ने सेंट मैरी एकेडमी सरसावा को



छह रन से हराया। सोफिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12.2 ओवर में 113 रन बनाए। अब्दुल अली ने 27 गेंदों पर 38 और सावन ने 20 गेंदों पर 22 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में अर्नव भुल्लर ने छह विकेट लेकर विपक्षी टीम को मुश्किल में डाल दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट मैरी एकेडमी सरसावा की टीम 11 ओवर में 107 रन पर सिमट गई। अभिनव ने 12 गेंदों पर 32 रन बनाए। शानदार गेंदबाजी के लिए अर्नव भुल्लर को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

आयोजन समिति के अनुसार मंगलवार, 17 नवंबर को दो मुकाबले खेले जाएंगे। पहले मैच में इम्फेंट जीसस स्कूल और व्हाइट बर्ड स्कूल तथा दूसरे मुकाबले में द दून वैली पब्लिक स्कूल और विजडम वैली एकेडमी की टीमें आमने-सामने होंगी। प्रतियोगिता के आयोजन में चेयरमैन सुभाष चौधरी, प्रधानाचार्य आशुतोष शर्मा, कोच विवेक शर्मा, विक्रांत सिंह विक्की, शारीरिक शिक्षक मनपाल सिंह, अक्षय कुमार, श्रीकांत चौधरी और मानसी धीमान का विशेष सहयोग रहा।

लखनऊ विश्वविद्यालय का गजब कारनामा,

सीएम के टैबलेट वितरण कार्यक्रम में लगा दी चार मृतकों की ड्यूटी

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्र प्रेरणा स्थल में रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने मृत कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी। शनिवार रात मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हंगामा मच गया। आरोप है कि सूची में चार ऐसे कर्मचारियों के नाम शामिल कर दिए गए, जिनका पहले ही निधन हो चुका है। वहीं कई वर्षों से अनुपस्थित चल रहे एक कर्मचारी की भी ड्यूटी लगा दी गई। विवि प्रशासन का कहना है कि लिपिकीय त्रुटि की वजह से ऐसा हुआ, जिसे कार्यक्रम शुरू होने से पहले ठीक करा लिया गया था।

कर्मचारी नेता रिंकू राय ने बताया कि ड्यूटी सूची के क्रम संख्या 51 पर रसायन विज्ञान विभाग के स्वर्गीय राजीव अवस्थी और क्रम संख्या 53 पर स्वर्गीय ओम प्रकाश का नाम दर्ज कर दिया गया। इसी तरह क्रम संख्या 170 पर आर्ट्स फैकल्टी के स्वर्गीय दुर्जन और क्रम संख्या 186 पर कॉमर्स विभाग के स्वर्गीय जी. वेंकटरमन का नाम भी शामिल किया गया था। सूची के क्रम संख्या 175 पर अनिल कुमार शुक्ला का नाम भी दर्ज है जबकि वह पिछले कई वर्षों से अनुपस्थित चल रहे हैं।



रिंकू राय ने कहा कि मुख्यमंत्री के महत्वपूर्ण कार्यक्रम की ड्यूटी सूची तैयार करने से पहले कर्मचारियों की सेवा स्थिति और विभागीय रिकॉर्ड का सत्यापन किया ही नहीं गया और कुलसचिव की ओर से इसे पास करा लिया गया। चार दिवंगत कर्मचारियों के नाम शामिल होना विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली और रिकॉर्ड प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि मामला विश्वविद्यालय के संज्ञान शनिवार रात को ही आ गया था। इसके बाद ड्यूटी सूची का सत्यापन कराया गया और लिपिकीय त्रुटियों को कार्यक्रम से पहले ही ठीक करवा दिया गया था। कार्यक्रम के लिए लविवि के करीब 150 शिक्षकों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी, सात अस्थाई पार्किंग का निर्माण तत्काल शुरू करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 के भव्य आयोजन को लेकर हरिद्वार में स्थाई और अस्थाई निर्माण कार्यों ने गति पकड़ ली है। मेला प्रशासन ने सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी कराने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। मेलाधिकारी सोनिका ने सोमवार को सीसीआर सभागार में विभिन्न विभागों और कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अब किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जरूरत के अनुसार श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर दिन-रात काम कराया जाए, ताकि सभी कार्य समय से पूरे हो सकें। मेलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं या अंतिम चरण में हैं, वहां से निर्माण सामग्री और मलबा तत्काल हटाया जाए। सड़कों अथवा सार्वजनिक स्थलों पर मलबा मिलने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मेला क्षेत्र के सेक्टरों में तैनात अधिकारियों को रात में भी निर्माण स्थलों का निरीक्षण करने और वास्तविक प्रगति की नियमित रिपोर्ट देने को कहा। शिविर स्थलों पर बिजली, पेयजल, शौचालय और अन्य जरूरी सुविधाएं समय से उपलब्ध कराने के साथ ही समतलीकरण और साफ-सफाई का कार्य बेहतर ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कुंभ क्षेत्र में प्रस्तावित सात अस्थाई कोर एरिया पार्किंग का निर्माण तत्काल शुरू कराने तथा अस्थाई पुलों और संपर्क मार्गों का काम



शीघ्र पूरा करने को कहा। बैठक में बताया गया कि हरिद्वार में कुंभ की व्यवस्थाओं के लिए 19 अस्थाई पुल बनाए जा रहे हैं, जबकि अस्थाई विद्युतीकरण के लिए तीन हजार से अधिक विद्युत पोल लगाए जा रहे हैं। विभिन्न सेक्टरों में शिविर स्थलों के समतलीकरण, सफाई, अस्थाई सड़कों के निर्माण और पेयजल लाइन बिछाने का काम भी जारी है। बैरागी कैंप, गौरीशंकर, दक्षद्वीप और पंतद्वीप सहित प्रमुख सेक्टरों में अधिकांश कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। इन क्षेत्रों में टेंट और शौचालय स्थापित करने का काम भी शुरू हो गया है। मेलाधिकारी ने गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और संस्थाओं की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक में अपर मेलाधिकारी नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, एचआरडीए के सचिव प्रत्यूष सिंह, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता डीपी सिंह और तकनीकी प्रकोष्ठ के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार भट्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनगणना-2027 का आगाज, डीएम और एडीएम ने खुद दर्ज की परिवार की जानकारी

शामली (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत सोमवार से स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई। जिलाधिकारी आलोक यादव और अपर जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनपद के 13 चार्ज अधिकारियों के प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो लोगों को जनगणना के प्रति जागरूक करेंगे। जिलाधिकारी आलोक यादव ने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान जनपद के नागरिक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपने और परिवार के सदस्यों की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, इसलिए प्रत्येक नागरिक इसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी करे और



निर्धारित अवधि में अपने परिवार का विवरण सही-सही दर्ज कराए।

उन्होंने बताया कि स्व-गणना के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर राष्ट्रीय सहायता नंबर 1855 और जनपद स्तरीय सहायता नंबर 01398-270203 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन की ओर से अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक जागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर कलक्ट्रेट परिसर में बेसिक शिक्षा विभाग की टीम ने जनगणना-2027 की थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। जिलाधिकारी और अपर जिलाधिकारी ने प्रचार वाहनों को रवाना करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में जिला प्रभारी जनगणना शिवकुमार भारती सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शामली के विकास को मिलेगी रफ्तार, 10 करोड़ के प्रस्तावों पर बोर्ड की मुहर

शामली (शिखर समाचार)। शहर के विकास, सौंदर्यीकरण और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में करीब 10 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। प्रत्येक वार्ड में 30-30 लाख रुपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। इसके अलावा सफाई व्यवस्था के लिए 30 ई-रिक्शा खरीदे जाएंगे और आधुनिक पथ प्रकाश व्यवस्था के साथ नालों पर लोहे के जाल लगवाए जाएंगे। वहीं भवनकर और जलकर में 10 प्रतिशत छूट की अवधि बढ़ाकर 15 जनवरी 2027 कर दी गई है।

सोमवार को पालिका सभागार में चेयरमैन अरविंद संगल की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने किया। बैठक में 21 निर्वाचित और



पांच नामित सभासद मौजूद रहे। सबसे पहले अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। इसमें पालिका की आय 25.91 करोड़ रुपये और व्यय 22.42 करोड़ रुपये दशार्या गया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में रामसागर स्थित पालिका की दुकानों के नाम परिवर्तन और किरायेदारी संबंधी मामलों के निस्तारण के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। भवनों की कई बार बिक्री होने पर अंतिम बैनामे की मालियत के आधार पर नामांतरण शुल्क लेने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। काका नगर स्थित पालिका भूमि तक रास्ता उपलब्ध कराने के लिए न्यूनतम दर पर जमीन खरीदने तथा खेड़ी करमू, ताजपुर सिम्भालका और मुंडेट के त्रुटिवश पालिका अभिलेखों में दर्ज भवनों को हटाने का निर्णय लिया गया। पालिका सीमा विस्तार की पत्रावली शासन को भेजी जाएगी। स्वीकृति और राजपत्र जारी होने तक बाहरी क्षेत्रों से पालिका कर नहीं वसूला जाएगा। बैठक में सभासद अनिल उपाध्याय ने आरोप लगाया कि कुछ ठेकेदारों ने निविदा प्रक्रिया पूरी किए बिना ही कार्य करा दिए। उन्होंने इनकी जांच कराने तथा आईजीएल कंपनी द्वारा शहर में खोदे गए गड्ढों की मरम्मत नहीं कराने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कंपनी से प्राप्त धनराशि और मरम्मत पर हुए खर्च का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। बैठक में सभासद हाजी साजिद, अजीत निर्वाल, नीरज देवी, अरविंद खटीक, राजीव गोयल, फिरदौस, सविता, अजय कुमार उर्फ बोबी, स्नेहा, प्रमोद कुमार जांगिड़, पिंकी, शाहिदा, तोहिद रहमानी, बबिता गुप्ता, धुरेंद्र सिंह, निशीकांत संगल, विनोद तोमर और रानिवास सहित अन्य सभासद मौजूद रहे।

जारचा में प्रधान पुत्र को फोन पर जान से मारने की धमकी, नामजद मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के गांव सीदीपुर में ग्राम प्रधान के पुत्र को मोबाइल फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने और बर्बाद करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर कोतवाली पुलिस ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि सीदीपुर निवासी विचित्र तोमर ग्राम प्रधान के पुत्र हैं। पीड़ित का आरोप है कि एनटीपीसी परिसर में रहने वाले अश्वनी गौतम द्वारा पिछले दो-तीन महीनों से लगातार उनके मोबाइल फोन पर कॉल कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। आरोपी उन्हें जान से मारने और परिवार को पूरी तरह बर्बाद करने की धमकी दे रहा है। पीड़ित के पास धमकी से जुड़ी कॉल रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। तहरीर और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी अश्वनी गौतम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रबूपुरा में धान चोरी का विरोध करने पर किसान की हत्या का खुलासा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के रुस्तमपुर के जंगल में नहर किनारे खेत पर सो रहे किसान की हत्या धान चोरी का विरोध करने पर की गई थी। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए मुठभेड़ के दौरान चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हो गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध असलहे, चाकू, लोहे की रॉड, मोटरसाइकिल और चोरी में प्रयुक्त अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, गत 15 नवंबर को रबूपुरा पुलिस पुरानी मिजार्पुर मार्ग स्थित रुस्तमपुर रोड टी-पॉइंट पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान यीडा सेक्टर-20 की ओर से दो मोटरसाइकिलों पर आ रहे चार युवकों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर बदमाशों की बाइक फिसल गई, जिसके बाद खुद को घिरता देख उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बुलंदशहर के सिकंदराबाद थाना क्षेत्र के गांव गेसूपुर भराना निवासी राजकुमार और हापुड़ के कपूरपुर थाना क्षेत्र के गांव बझेड़ा निवासी सचिन के पैर में गोली लग गई, जिन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही कॉम्बिंग के दौरान पुलिस ने उनके दो अन्य साथियों कमल और हरेंद्र उर्फ हतेन्द्र (दोनों निवासी गेसूपुर भराना, सिकंदराबाद, बुलंदशहर) को भी दबोच लिया। आरोपियों के पास से 315 बोर के दो तमंचे, कारतूस, दो मोटरसाइकिल, एक चाकू, लोहे की सरिया, प्लास, पेचकस और धान भरने के लिए लाए गए पांच प्लास्टिक के कट्टे बरामद किए गए हैं। पुलिस की जांच में स्पष्ट हुआ है कि इसी चाकू और लोहे की रॉड का इस्तेमाल किसान की हत्या में किया गया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गत सात नवंबर की रात ये आरोपी रबूपुरा क्षेत्र में धान चोरी की नीयत से खेत में घुसे थे। इस दौरान खेत पर सो रहे मेहंदीपुर निवासी किसान इस्माइल जाग गए और उन्होंने बदमाशों को धान चुराने से रोकने का प्रयास किया, जिस पर आरोपियों ने उनकी हत्या कर दी थी। पुलिस घायल आरोपियों को अस्पताल में भर्ती कराकर उनके अन्य आपराधिक इतिहास और क्षेत्र में की गई अन्य वारदातों के बारे में विस्तृत छानबीन कर रही है।



जेवर के प्राथमिक विद्यालय गोविंदगढ़ में बालवाटिका खेल मेले का आयोजन



जेवर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गोविंदगढ़ में सोमवार को बालवाटिका खेल मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन की ओर से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दिलीप शर्मा ने सहभागिता की तथा संस्था की तरफ से खेल मेले के सफल आयोजन के लिए आवश्यक खेल सामग्री का वितरण किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने खेल मेले की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इनसे बच्चों में आत्मविश्वास, आपसी सहयोग और खेल भावना का विकास होता है। इस अवसर पर ए.आर.पी. हरेन्द्र शर्मा, ज्योति और विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रांतीय खेल प्रतियोगिता में शामली के खिलाड़ियों का जलवा, कई स्पधाओं में जीते स्वर्ण पदक



शामली (शिखर समाचार)। हापुड़ में 14 और 15 नवंबर को विद्या भारती से संबद्ध सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों की प्रांतीय क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेल स्पधाओं में पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के 11 वर्ष से कम आयु वर्ग में श्रेया मलिक ने 100 मीटर दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग में वंश ने लंबी कूद और ऊंची कूद में प्रथम तथा 100 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं 13 वर्ष से कम आयु वर्ग में वाणी पांचाल ने 100 और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शौर्य मलिक ने चक्का फेंक में प्रथम स्थान हासिल किया। अर्पण चौहान ने 400 मीटर दौड़ में द्वितीय और चक्का फेंक में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रभात जैन लंबी कूद में द्वितीय स्थान पर रहे। विद्यालय लौटने पर प्रधानाचार्य संजय सैनी और आचार्य अजेंद्र सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष चंचल गोयल, प्रबंधक विवेक संगल और कोषाध्यक्ष गौरव संगल ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी अब 22 से 24 नवंबर तक आयोजित होने वाली क्षेत्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष ने गौतमबुद्धनगर में वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों का किया स्थलीय निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दिल्ली-एनसीआर में लागू ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) और वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति के मद्देनजर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. सिंह और मुख्य पर्यावरण अधिकारी राधेश्याम ने सोमवार को जनपद गौतमबुद्धनगर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रदूषण नियंत्रण उपायों का स्थलीय निरीक्षण व समीक्षा की।

भ्रमण के दौरान बोर्ड के अध्यक्ष ने जिलाधिकारी से जिले में वायु प्रदूषण की वर्तमान स्थिति, नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर.के. सिंह से भी वायु प्रदूषण की रोकथाम से जुड़े उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसके उपरांत डॉ. आर.पी. सिंह ने नोएडा क्षेत्र के अंतर्गत यमुना पुस्ता मार्ग पर सेक्टर-94 से सेक्टर-135 तक का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क की मरम्मत, धूल-मिट्टी की नियमित सफाई और निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट का तत्काल उचित निस्तारण सुनिश्चित



कराने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में उड़ने वाली धूल पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। पुस्ता रोड के निरीक्षण के दौरान उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश को मार्ग की समुचित साफ-सफाई, धूल नियंत्रण और आवश्यक रखरखाव के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता विनोद कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी (नोएडा) रितेश कुमार तिवारी और क्षेत्रीय अधिकारी (ग्रेटर नोएडा) विकास मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का आगाज, विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया सुरक्षित यातायात का संदेश

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग एवं नगर पालिका की ओर से 16 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले सड़क सुरक्षा पखवाड़े का सोमवार को शुभारंभ किया गया। नगर के पीआर पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल और नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरूआत की।

इस अवसर पर डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करना, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना तथा सड़क संकेतों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी



यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से समझाया। नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा समाज में जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यातायात नियमों का पालन करना स्वयं के साथ-साथ दूसरों के जीवन की सुरक्षा के प्रति भी नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी डॉ. राजीव कुमार ने किया। अंत में उपस्थित लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अजय मिश्रा, प्रधानाचार्य अनघ सिंघल, दिव्या शर्मा, नीता गुप्ता, दीपक मलिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदाता सूची मजबूत करने के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति, कार्यकताओं को सौंपी बूथों की जिम्मेदारी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर मतदाता सूची को दुरुस्त करने और नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए भाजपा ने अभियान तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में कस्बे के बड़ौत रोड स्थित करण फार्म हाउस में भाजपा पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों और प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व विधायक उमेश मलिक ने कार्यकताओं को मतदाता जोड़ो अभियान की रूपरेखा और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। बैठक के दौरान पूर्व विधायक उमेश मलिक ने विधानसभा प्रभारी मानवीर पुंडीर का बुके भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मतदाता जोड़ो अभियान के तहत पहली बार मतदान करने की पात्रता प्राप्त करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाए जाएंगे। इसके लिए विधानसभा क्षेत्र में कार्यशालाएं आयोजित कर कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि



अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।

क्षेत्रीय मंत्री नितिन मलिक ने कहा कि ग्राम पंचायतों की मतदाता सूचियों में दर्ज नामों का विधानसभा की मतदाता सूची से मिलान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान को व्यवस्थित बनाने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को दो से तीन मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। कार्यकताओं से अपने निर्धारित क्षेत्रों में सक्रिय रहकर नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने और सूची की त्रुटियों को दूर कराने का आह्वान किया गया।

बैठक में पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ब्रजपाल सहरावत, सहकारी बैंक के अध्यक्ष ठाकुर रामनाथ, जिला महामंत्री विनीत कात्यायन, सभासद अजय संगल, भारत ठाकुर, मुकेश शर्मा, पूर्व चेयरमैन परमेश सैनी, कुलदीप बागड़ी, डॉ. मुनीश त्यागी और तेलूराम कश्यप सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को लेकर बीएलओ और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण संपन्न



ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्रों (नोएडा, दादरी और जेवर) के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं सुपरवाइजरों के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान (एसएसआर) के संबंध में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 नवंबर, 2026 से प्रारंभ होने वाले इस अभियान को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करें। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। विशेष रूप से नवयुवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और पहली बार मतदाता बनने वाले पात्र नागरिकों के पंजीकरण पर प्राथमिकता से ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही, राजनीतिक दलों



के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, त्रुटिरहित और समावेशी बनाने को कहा गया। प्रशासन द्वारा यह भी निर्देश दिए गए कि आरडब्ल्यूए, एओए, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, अन्य शिक्षण संस्थानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सहयोग से विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पंजीकरण की सुविधा मिल सके। अभियान की समाप्ति पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ और सुपरवाइजरों को सम्मानित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ और सुपरवाइजरों की निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी जानकारी का आकलन करने के लिए बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित ज्ञान परीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी दादरी अरुण कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हथकड़ी और बेड़ियों में जकड़े गोगी गिरोह के दो कथित शूटर कैराना कोर्ट में पेश



कैराना/शामली (शिखर समाचार)। अंकित बालियान हत्याकांड के मामले में तिहाड़ जेल में बंद गोगी गिरोह के दो कथित शूटर योगेश टुंडा और दीपक डबास को सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कैराना स्थित न्यायालय में पेश किया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस की कैदी वैन से उतारकर न्यायालय परिसर में ले जाया गया। इस दौरान उनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां लगी थीं। सुरक्षा के मद्देनजर दोनों को बुलेटप्रूफ जैकेट भी पहनाई गई थी। न्यायालय परिसर में पेशी के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। हथियारों से लैस उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों ने दोनों आरोपियों को चारों तरफ से सुरक्षा घेरे में रखा। सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी थी कि न्यायालय परिसर के आसपास भी पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे। दोनों आरोपियों को देखने के लिए न्यायालय के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसे नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

बताया गया कि अंकित बालियान हत्याकांड में योगेश टुंडा और दीपक डबास की कथित भूमिका को लेकर पुलिस जांच कर रही है। इसी सिलसिले में दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। पेशी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस दोनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच वापस तिहाड़ जेल ले गई। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष सतर्कता बरती गई।

जनगणना-2027 की स्वगणना का आगाज, महापौर और मंडलायुक्त ने पहले दिन दर्ज कराई जानकारी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के तहत स्वगणना अभियान का सोमवार को शुभारंभ हुआ। पहले ही दिन महापौर डॉ. अजय कुमार, मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने निर्धारित प्रारूप में अपनी जानकारी दर्ज कराकर इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागिता की। स्वगणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगी। महापौर डॉ. अजय कुमार ने अपने कार्यालय में निर्धारित प्रारूप पर व्यक्तिगत जानकारी दर्ज कर स्वगणना की। इस दौरान कर निर्धारण अधिकारी श्रुति माहेश्वरी और कर अधीक्षक सुधीर शर्मा ने प्रक्रिया पूरी कराई। उन्होंने महापौर को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं भी दीं। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी सलिल पटेल, सहायक नगर आयुक्त



बिकासधर दुबे, निगम के वरिष्ठ लेखा परीक्षक अजमैन, कर अधीक्षक आशुतोष गुप्ता और क्षेत्रीय प्रशिक्षक साक्षी सेठ मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार के कार्यालय पहुंचे। मंडलायुक्त ने ऑनलाइन माध्यम से स्वगणना की प्रक्रिया पूरी करते हुए अपनी जानकारी दर्ज कराई। उन्होंने जनपदवासियों से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वगणना में सहभागिता करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। सभी लोग अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कराकर जनगणना-2027 को सफल बनाने में योगदान दें। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने भी अपने कार्यालय में ऑनलाइन स्वगणना कर अभियान में सहभागिता की। अधिकारियों ने आमजन से निर्धारित समयावधि में स्वगणना प्रक्रिया पूरी करने का आह्वान किया, ताकि आगामी जनगणना के लिए आवश्यक जानकारियां समय पर संकलित की जा सकें।

गुलिस्तानपुर के 113 किसानों को मिला छह फीसदी आबादी भूखंड का तोहफा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने गुलिस्तानपुर के 113 किसानों को घंघोला में छह फीसदी आबादी भूखंड आवंटित कर बड़ी राहत प्रदान की है। सोमवार को प्राधिकरण की ओर से 90 समान आकार के भूखंडों का ड्रॉ निकाला गया, जबकि अलग-अलग आकार के 23 भूखंडों के आवंटन पत्र सीधे किसानों को जारी कर दिए गए। लंबे समय से आबादी भूखंड मिलने का इंतजार कर रहे किसानों में इस निर्णय से खुशी की लहर है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर और एसीईओ प्रेरणा सिंह के नेतृत्व में यह आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। उल्लेखनीय है कि गुलिस्तानपुर के किसानों की जमीन अधिग्रहित होने के बाद से छह फीसदी आबादी भूखंड आवंटन का



मामला लंबे समय से लंबित चल रहा था।

प्राधिकरण के अनुसार, गुलिस्तानपुर के कुल 113 भूखंडों में से 90 समान आकार के भूखंड थे, जिनका क्षेत्रफल 130 वर्ग मीटर से लेकर 650 वर्ग मीटर तक है। सोमवार को इन सभी का ड्रॉ कराया गया, वहीं शेष 23 विभिन्न आकार के भूखंडों के आवंटन पत्र किसानों को सौंप दिए गए। इस प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक नियोजन सुधीर कुमार, सहायक महाप्रबंधक प्रमोद कुमार और संदीप रावल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जरूरत, कुलगाम मुठभेड़ ने फिर उठाए सुरक्षा और शांति के सवाल

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ ने एक बार फिर देश का ध्यान घाटी की सुरक्षा स्थिति की ओर खींचा है। आतंकवाद के खिलाफ लगातार चल रहे अभियानों, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के सरकारी दावों और सामान्य होते जनजीवन के बीच इस तरह की घटनाएं कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। 16 नवंबर को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर आतंकियों की मौजूदगी का पता लगाकर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान छिपे हुए आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया। दिन में सामने आई जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया, जबकि दूसरा आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसा हुआ था। उसके खिलाफ अभियान जारी था। अधिकारियों ने आतंकियों की पहचान और मुठभेड़ के अंतिम परिणाम की पुष्टि के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी किए जाने की बात कही। इस अभियान की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक नलिन प्रभात और कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक सुजीत कुमार भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंचे और अभियान की स्थिति का जायजा लिया।

कुलगाम में यह कार्रवाई अचानक पैदा हुई किसी एक सुरक्षा चुनौती का परिणाम नहीं है, बल्कि पिछले कुछ दिनों से जारी आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक अभियान की अगली कड़ी है। 11 नवंबर को इसी जिले के अखरन इलाके में मीर बाजार के निकट केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की चौकी पर आतंकियों ने हमला किया था। अचानक हुई गोलीबारी में तीन जवान घायल हो गए थे। इनमें एक जवान की हालत गंभीर बताई गई थी, जिसे बेहतर उपचार के लिए श्रीनगर स्थित सेना के 92 बेस अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान तेज कर दिया। सेना, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीमें कई गांवों और संदिग्ध ठिकानों पर लगातार छानबीन कर रही थीं। सुरक्षा एजेंसियों को हमले में शामिल आतंकियों के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिलने की जानकारी भी सामने आई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के विशेष महानिदेशक संदीप खिरवार ने बताया था कि जांच में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं और हमलावरों को पकड़ने के लिए अभियान जारी है। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के साक्ष्यों तथा सीसीटीवी फुटेज की भी पड़ताल की गई। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी मामले की जांच में सहयोग किया।

मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी मोहम्मद लतीफ भट का नाम भी सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों को संदेह था कि वह दक्षिण कश्मीर में हुई कुछ अन्य आतंकवादी घटनाओं में भी शामिल रहा है। उसके साथ उमर नाम के एक अन्य आतंकी की मौजूदगी की जानकारी भी सामने आई। अधिकारियों के अनुसार, दोनों का संबंध पिछले सप्ताह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की चौकी पर हुए हमले से होने का संदेह था। हालांकि आतंकियों की भूमिका और मुठभेड़ में मारे गए व्यक्ति की पहचान के संबंध में अंतिम पुष्टि आधिकारिक प्रक्रिया के बाद ही महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में खुफिया सूचनाओं का सही इस्तेमाल, सटीक कार्रवाई और जांच की विश्वसनीयता बेहद जरूरी है।

~ मौलिक चिंतन ~

जितना आसान है दूसरों पर उंगली उठाना, उससे कहीं ज्यादा कठिन है अपनी ओर उठी उंगलियों को सहन कर पाना।



© विनय संकोची

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत



कांतिलाल मांडोत

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है। दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता



कुमार कृष्णन

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (नस्थिक) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से



दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

सर्दियां आते ही स्किन हुई बेजान? इन 6 आसान घरेलू नुस्खों से पाएं गुलाबी निखार



सर्दियां आते ही स्किन नमी खोने लगती है और शरीर में रूखापन, खुजली और फटी त्वचा की समस्या बढ़ने लगती है। सर्द हवाएं और कम नमी वाला वातावरण स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे स्किन डल और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखना काफी जरुरी होता है। अगर आप बाजार के केमिकल युक्त बॉडी लोशन लगाएं तो इससे आपकी स्किन चमक खो देगी। इसके बजाय आप प्राकृतिक चीजें जैसे कि नारियल तेल, एलोवेरा जेल, दूध, शहद और घी त्वचा के अंदर से पोषण प्रदान करके स्किन को सॉफ्ट बनाता है। आइए आपको कुछ आसान और असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जो आपकी स्किन को सॉफ्ट करेगा और बॉडी के रुखेपन और जलन को हटाएगा।

विंटर ड्राईनेस से बचने के लिए 6 घरेलू चीजें

नारियल तेल

कोकोनट ऑयल स्किन को बेहतरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर है। नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट और फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। स्नान के बाद हल्का सा नारियल तेल पूरे शरीर पर लगाएं।

सरसों का तेल

हर भारतीय घर में सरसों का तेल पारंपरिक तरीका है जो सर्दियों में स्किन को गर्मी और नमी देता है। प्रतिदिन नहाने से पहले हल्का गुनगुना तेल शरीर पर लगाएं इसके बाद स्नान करें।

एलोवेरा जेल

स्किन को हाइड्रेट करता है एलोवेरा जेल, इसमें हाइड्रेटिंग प्रॉपर्टीज होती है। इसे रोज नहाने के बाद स्किन पर नमी बरकरार रखने के लिए और खुजली की समस्या को दूर करता है।

दूध और शहद

वैसे दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को सॉफ्ट बनाता है और शहद नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। दोनों को मिलाकर हल्का मसाज करें और इसे 15 मिनट बाद धो लें।

घी

घी एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, इसे खासकर कोहनी, घुटनों और एड़ियों पर लगाने से रूखापन और स्किन फटने की समस्या दूर हो जाती है।

ओट्स और दही

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए यह नुस्खा बेहद कमाल का है। यह प्रकार का नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। ओट्स पाउडर और दही मिलाकर लगाएं, 15 मिनट बाद इसे धो लें, आपकी त्वचा सॉफ्ट होती है।

इन चीजों का ध्यान रखें

» दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं जिससे आपका शरीर अंदर से हाइड्रेट रहेगा।

» बहुत गर्म पानी से नहाने से बचें, यह आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल परत को नुकसान पहुंचाता है।

» डेली मॉइश्चराइजर लगाएं और कॉटन के कपड़े पहनें।

रोजाना हर घर में होता है कि नाश्ता, लंच और डिनर में क्या बनाएं। रोज जो खाने में बनता है बच्चे भी खाने में कमी निकालने लगते हैं। लौकी-तोरई खाकर सब पक भी जाते हैं। इस वजह से आजकल मम्मियां भी सब्जियों को अलग-अलग तरीके से ट्राई करके डिशेज बना सकती है। बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती है, अगर आप बार-बार वहीं सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो घर पर ट्राई करें कॉर्न कोफ्ता की सब्जी। कॉर्न कोफ्ता करी बनाना बेहद आसान है। आइए आपको कॉर्न कोफ्ता की रेसिपी के बारे में बताते हैं।





लौकी-तोरई से ऊब गए? बनाएं ये झटपट कॉर्न कोफ्ता, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

कॉर्न कोफ्ता करी कैसे बनाएं

» सबसे पहले आप कॉर्न कोफ्ता बनाने के लिए पकोड़ो बनाने की आवश्यकता पड़ेगी।

» इसके लिए आप कॉर्न को कद्दूकस कर लें।

» अब आप पल्प को बाउल में निकाल कर आधा हिस्सा प्लेट में रख लें।

» इसमें अब बेसन डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लीजिए।

» अब 1/4 छोटी चम्मच नमक, 1 छोटी चम्मच ग्रेटेड अदरक, 2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च और 4-5 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

» 2-3 मिनट तक घोल को साइड में रख लें और अब कड़ाही में तेल गर्म कर लें।

» अब आप छोटे-छोटे या अपने मनपसंद आकार में पकोड़े बनाकर तैयार कर लें।

ग्रेवी को कैसे बनाएं

» ग्रेवी बनाने के लिए मिक्सर जार में 5 टमाटर, 2 हरी मिर्च और 1 इंच अदरक डालें और इसे बारीक पीस लें।

» इसके बाद पेन में 2-3 बड़े चम्मच तेल डालकर गरम कर 1/2 छोटी चम्मच जीरा और 1 पिंच हींग डालें और इसे भून लीजिए।

» अब टमाटर का पेस्ट डालें और इसे धीरे-धीरे चलाते रहे हैं। अब इसमें 1/2 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटी चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और 1.5 छोटी चम्मच धनिया पाउडर डालकर मिला लें और इसे थोड़ी देर तक चलाते रहे हैं।

» मसाले के आधा पक जाने पर इसमें बचाया हुआ ग्रेट भुट्टा और 1 बड़े चम्मच कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला दीजिए।

» जब उबाल आए तो इसे थोड़ी देर चलाते हुए 5 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी गाढ़ी होने पर बनाएं हुए पकोड़े डाल दें।

» इसके बाद करी को 5 मिनट तक और पकाएं, इसमें 1 छोटी चम्मच घी डाल कर अच्छा से मिलाकर फ्लेम बंद करें।

» यह लीजिए तैयार है आपकी कॉर्न कोफ्ता करी। इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

कॉर्न कोफ्ता बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

» कॉर्न कोफ्ता करी बनाने के लिए आप बेबी कॉर्न को चूज करें।

» मसाला को लो फ्लेम पर ही बनाएं।

» कोफ्ता के पकोड़े बनाते समय गैस को लो फ्लेम पर पकाए और चलाते हुए जरुर पकाएं।

मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी



समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल-गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन-कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब-करीब हर किसी को पसंद आएगा।

पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज मि?क ?स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।

ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

चीज-गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज-गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

अलमारी में बंद ऊनी कपड़ों से आती है बदबू? इन 5 तरीकों से घर बैठे बनाएं खुशबूदार

धीरे-धीरे सर्दियां दस्तक दे रही है। अब मौसम में भी काफी बदलाव आ रहा है। हल्की से ठंड पड़ने लगी है। ऐसे में लोग बंद रखे हुए ऊनी कपड़ों को निकाल रहे हैं। सर्दियों को ऊनी कपड़े सिर्फ साल के दो या 3 महीने पहने जाते हैं। बाकी पूरे साल तो ये कपड़े आलमारी, बक्से, बेडबॉक्स में ही बंद पड़े रहते हैं। जिस वजह से इनमें बदबू भर जाती है। अक्सर होता है कि ऊनी कपड़े जब बक्से और वॉर्डरोब से निकाले जाते हैं तो अंजीब से बदबू आने लगती है। कभी ऊनी कपड़े साफ ना होने की वजह से पसीना और बैक्टीरिया के साथ सीलन की बदबू भर जाती है। ऐसे में बदबूदार ऊनी कपड़ों, जैकेट, शॉल को पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए आपको इन 7 घरेलू तरीकों से ऊनी स्वेटर, जैकेट से आने वाली बदबू को दूर करें।



धूप सबसे बेहतर है

अगर आप ऊनी कपड़ो को बदबू को दूर करना चाहते हैं, तो धूप सबसे सरल और सस्ता उपाय है। वुलन क्लॉथ को धूप में डालने से कपड़ों से दुर्गंध चली जाएगी। कपड़ों पर धूप लगने से नमी, बैक्टीरिया को खत्म कर देंगे। जिससे बदबू भी निकल जाएगी। लेकिन ध्यान रखें कि जब भी तेज धूप हो तो कपड़ों को उल्टा करके रखें। वरना कपड़ो का रंग उड़ सकता है।

बेकिंग सोडा का यूज करें

यदि आप वुलन कपड़े आलमारी में रखने से इनमें सीलन और फफूंद लग गई है, तो कपड़ों से आ रही इस तरह की बदबू को दूर भगाने के लिए बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर कपड़ो को डालकर निकाल दें। यदि आपके पास कपड़ों को धोने का टाइम नहीं है, तो बेकिंग सोडा को कपड़ो पर छिड़कर कुछ देर छोड़ दें और बाद में सूखे कपड़े से साफ कर दें।

वुलन्स पर करें नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे

अगर ऊनी कपड़ों से स्मेल आ रही है, तो इसे दूर करने के लिए नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे बना लें। एक स्प्रे बोतल में पानी भर लें, उसमें एक नींबू का रस और दो से तीन चम्मच गुलाबजल के डाल दें। मिक्स करके इसे ऊनी कपड़ों पर छिड़काव कर दें। इस तरह के स्प्रे से वुलन जैकेट, स्वेटर सबसे नेचुरल भीनी सी स्मेल आएगी और आपके कपड़े भी फ्रेश महकेंगे।

कपूर का करें यूज

वुलन कपड़ों में किसी तरह की महक ना आए इसलिए जब भी इन्हें स्टोर करें तो कपूर लौंग की छोटी पोटली बांधकर वुलन्स के साथ रख दें। इसकी महक कपड़ों में फ्रेशनेस बनाकर रखेगी।

एसेंशियल ऑयल का स्प्रे

अगर आप भी वुलन स्वेटर, जैकेट, शॉल जैसे कपड़ों से बदबू हटाने के लिए एसेंशियल ऑयल को आलमारी में रखें। इसके लिए आप किसी छोटे कपड़े के टुकड़ें में लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की बूंदों को डालकर ऊनी कपड़ों के बीच रख दें। इससे भी वुलन्स के कपड़ों में आ रही बदबू को दूर भागने में मदद मिलेगी।

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 625 में मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार की ओर से बड़ी सब्सिडी जारी है, जिसके चलते दिल्ली में उन्हें घरेलू सिलेंडर मात्र 642 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, एक एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन पर कंपनी का खर्च 1,267.24 रुपए है। उज्ज्वला योजना के तहत केंद्र सरकार इस लागत और लाभार्थी द्वारा चुकाई जाने वाली राशि के बीच 625.24 रुपए का बड़ा अंतर वहन करती है। इस योजना का लाभ जारी रखने के लिए लाभार्थियों को ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिसे गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर किया जा सकता है। देश के प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942.50 रुपए और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। अन्य शहरों में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी हुई हैं।

मिस्र ने भारतीय कंपनियों को विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने का न्योता दिया

काहिरा ।

मिस्र ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारतीय कंपनियों से अपने देश में विशेष निवेश क्षेत्र या मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है। मिस्र ने इसके लिए जमीन और हरसंभव मदद की पेशकश की है, जिसका वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वागत किया। मिस्र के निवेश एवं विदेशी व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने भारतीय कारोबारियों से स्वेज नहर और गोल्डन ट्रायंगल जैसे आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से भारत के लिए एक ऐसा क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया, जहाँ दोनों देशों की कंपनियाँ मिलकर उत्पादन और व्यापार कर सकें तथा एक साझा व्यावसायिक संस्कृति विकसित कर सकें। सालेह ने जमीन की उपलब्धता और सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत और मिस्र विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

श्रीलंका की कंपनी को अंडमान में बिजली संयंत्र बनाने का 7.5 करोड़ डॉलर का ठेका

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कोलंबो ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की बिजली आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, श्रीलंका की कंपनी लखदनवी को 57 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 625 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी प्रतीक है। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। लखदनवी ने 21 सितंबर को इस परियोजना के लिए भारत की राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह संयंत्र पोर्ट ब्लेयर के होप टाउन में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से द्वीपों के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज़्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत

हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

यूनियन ने कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स की क्षमता और हितों के टकराव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है।

यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी का जादू-एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्था रिपोर्ट

2027 में भारत की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नवीनतम ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027 रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी की वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

ऊर्जा कीमतों में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में लगातार निवेश इस वृद्धि के मुख्य आधार होंगे, जो सख्त वित्तीय स्थितियों और सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे। गोल्डमैन सैक्स के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार, 2027 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतें, 2027 में इनका मामूली असर पड़ेगा। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर जाएंगी। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में भी इसी तरह की कमी आएगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। एआई निवेश और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश 2027 में बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2026 में 1.1 ट्रिलियन डॉलर था।

अकेले एआई निवेश 2027 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की वृद्धि 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है, लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होगी। अमेरिका में, व्यक्तिगत उपभोग व्यय सूचकांक द्वारा मापी गई मुख्य महंगाई 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी तक गिरने का अनुमान है, जो 2026 के अंत में 3.2 फीसदी थी।

हालांकि, रिपोर्ट ने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य के लिए नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी है। इनमें ईरान युद्ध का फिर से बढ़ना, बड़े सरकारी घाटे से बढ़ती उधार लागत, और क्षमता बाधाओं या कमजोर मांग के कारण एआई निवेश का उम्मीद से कम होना शामिल है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली।

भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है।

हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

चीन की इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी।

यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

अक्टूबर में दोगुना हुआ इनफ्लो, इन 3 स्कीम्स ने दिया 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न

मुंबई ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है।

यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एचएसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है।

थोक मुद्रास्फीति में बड़ा उछाल, अक्टूबर में 12.29 फीसदी पहुंची

ईंधन-बिजली, खाद्य पदार्थों और खनिजों की ऊंची कीमतों ने दिया जोर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति एक बार फिर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितंबर के 11.39 प्रतिशत से काफी अधिक है। ईंधन एवं बिजली, खाद्य पदार्थों, खनिजों और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं, जिससे आम जनता और उद्योगों दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन एवं बिजली की महंगाई अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 25.85 प्रतिशत थी। इसी तरह, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर भी बढ़कर 8.26 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.14 प्रतिशत थी। खनिजों में कीमतों में वृद्धि की दर 12.64 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 9.51 प्रतिशत थी।



कुल मिलाकर, प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले महीने 8.67 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बिजली, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को बढ़ावा दिया है।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा ।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से बिगड़ा काम, जानिए कैसे मिलेगा सेवा बाधित होने का क्रेडिट

आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुका

मुंबई ।

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक तकनीकी खराबी ने दुनियाभर के दफ्तरों और कारोबारों को घंटों तक ठप कर दिया। आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुक गया और कंपनियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सवाल यह है कि अपनी पसंदीदा माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस 365 सेवाओं के लिए नियमित भुगतान करने वाले बिजनेस ग्राहकों को इस व्यवधान के लिए क्या कोई मुआवजा मिलेगा? माइक्रोसॉफ्ट अपने बिजनेस ग्राहकों के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) करती है, जिसके तहत वह मासिक आधार पर 99.9 फीसदी अपटाइम का लक्ष्य रखती है। यदि किसी सेवा का अपटाइम इस निर्धारित सीमा से कम होता है, तो पात्र बिजनेस ग्राहक बिल क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्राहकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा, क्योंकि क्रेडिट की राशि कई कारकों पर निर्भर करती है। कंपनी प्रभावित यूजर्स की संख्या और उनके काम में हुई कुल रुकावट (यूजर मिनट्स) का हिसाब लगाती है। क्रेडिट की राशि भी उस विशिष्ट सेवा पर निर्भर करेगी जिसमें खराबी आई थी। उदाहरण के लिए, यदि केवल आउटलुक बाधित हुआ था और माइक्रोसॉफ्ट 365 की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही थीं, तो ग्राहक को केवल आउटलुक के हिस्से का ही मामूली क्रेडिट मिल पाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सुविधा मुख्य रूप से उन बिजनेस ग्राहकों के लिए है जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं के लाइसेंस खरीदे हैं; व्यक्तिगत कर्मचारी सीधे मुआवजे का दावा नहीं कर सकते। क्रेडिट पाने के लिए प्रभावित कंपनियों को स्वयं दावा करना होगा, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट स्वचालित रूप से क्रेडिट जारी नहीं करती।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी।

एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डबल्स खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई अपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

● परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।



शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव



बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंस लीगः

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह

● विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

दुबई, एजेंसी। जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्नियुक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके



अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है। आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्नियुक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दर्शाता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी पुनर्नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, 'आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना हा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके।' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी



चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण - उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र



सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.

शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए. मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए. अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर-लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, 'खिलाड़ियों के इस खास समूह का हिस्सा बनना बहुत शानदार लग रहा है। मैं अपनी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत



में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चैंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

पहले सेट की शुरुआत में एंड्रीवा और स्वितोलिना दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर रूसी खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बचाते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। आंद्रीवा 5-4 के स्कोर पर सेट अपने नाम करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने तीसरी बार स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपने दूसरे मौके को भुनाते हुए सेट जीत लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने आखिरी दो गेम्स में सिर्फ दो अंक गंवाए और जीत पक्की की, जिसके साथ ही उन्हें 3.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। साल का अंत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर 2 के साथ करने वालीं आंद्रीवा ने खिताब जीतने के बाद अपनी टीम का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर दिन उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करती है और ऐसे दिनों में भी मेहनत करवाती है जब उनका काम करने का मन नहीं होता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंत में मैं खुद को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

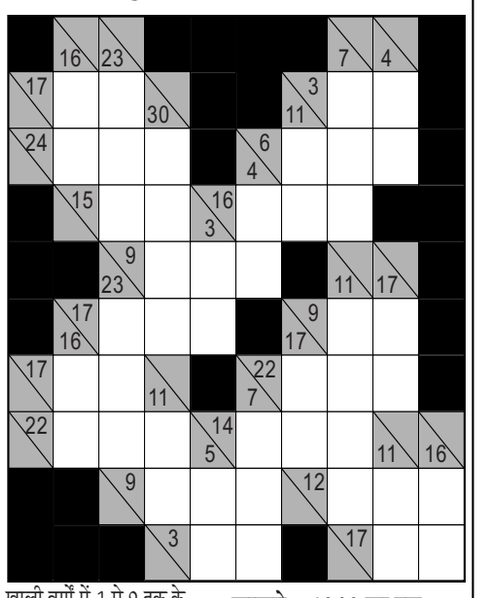
कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

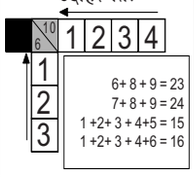
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 4070

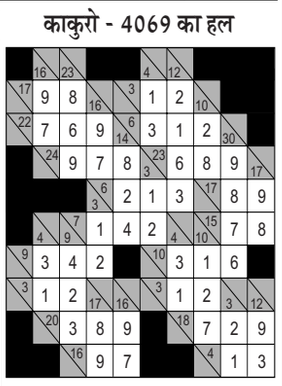


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4069 का हल



हंसी के फव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था,'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे.....'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी,'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

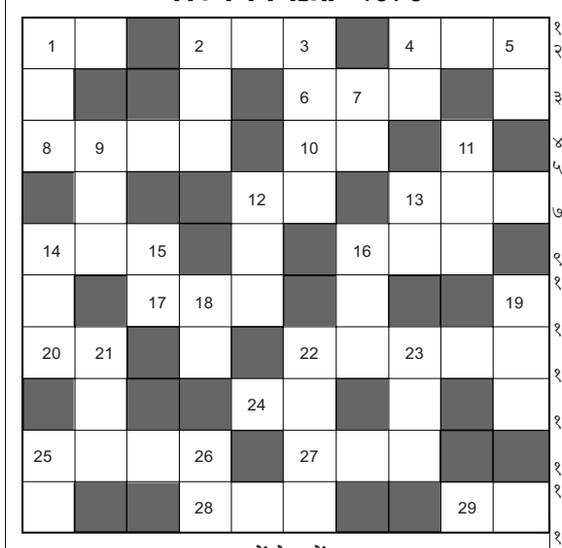
'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा,'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते,'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4070



बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'धधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4069

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
मां		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रे	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु -4070

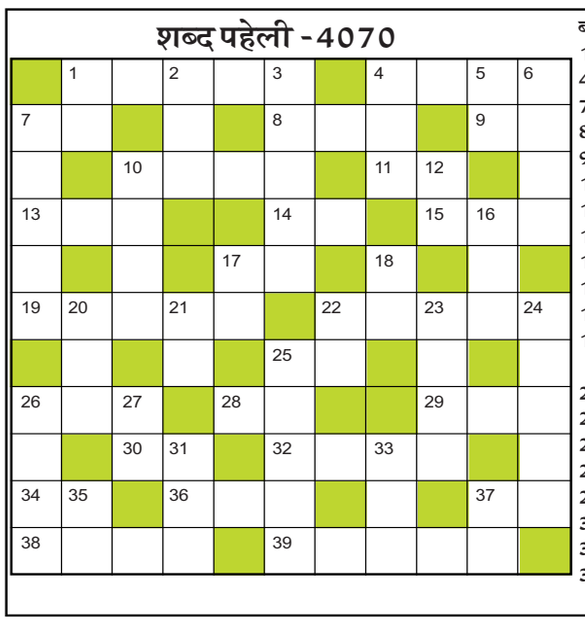
9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4069 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -4070



बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सदपुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -4069 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	



योग शरीर और मन, दोनों को संतुलित, समन्वित तथा क्रियाशील रखता है। इसका नियमित अभ्यास करने वालों की प्रतिरोधक क्षमता बहुत अधिक होती है, जिस कारण ऐसे लोगों को सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से दो-चार नहीं होना पड़ता। किंतु जो इसकी चपेट में आ चुके हैं, वे भी यदि थोड़े सुधार के बाद योग का अभ्यास करते हैं तो बहुत जल्दी इस समस्या से उबर जाते हैं।

आसन का अभ्यास

प्रारम्भ में हल्के आसन जैसे सूक्ष्म व्यायाम, पवनमुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, मेरुवक्रासन, धनुरासन, भुजंगासन आदि का अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए अभ्यास करना चाहिए। जैसे-जैसे शरीर की क्षमता में वृद्धि होती जाए, अभ्यास में सुप्त वज्रासन, ताम्रासन, त्रिकोनासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन आदि को जोड़ देना चाहिए। यदि सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास किया जाए तो सर्दी-जुकाम, खांसी आदि के साथ-साथ अन्य रोगों की आशंका भी कम हो जाती है।

अर्धमत्स्येन्द्रासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को सामने की ओर फैला कर जमीन पर बैठ जाएं। बाएं पैर को घुटने से मोड़ कर इसकी एढ़ी को दाएं नितम्ब के नीचे रखें। अब दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए इसके घुटने को छाती की तरफ रखें तथा पंजे को बाएं घुटने के पार जमीन पर रखें। इसके बाद बाएं हाथ को दाएं घुटने के पार रखते हुए उसके पंजे को पकड़ने का प्रयास करें। सिर तथा धड़ को यथासंभव दायीं ओर मोड़ें। यह अर्धमत्स्येन्द्रासन की अंतिम अवस्था है। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुक कर वापस पूर्व स्थिति में आएं। यही क्रिया दूसरी तरफ भी करें।

प्राणायाम का अभ्यास

सर्दी-खांसी, जुकाम, बुखार (वायरल) आदि के ठीक होने पर सरल कपालभाति तथा नाढ़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास करने से कमजोरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता, उत्साह एवं स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

नाढ़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास

सिद्धासन, पद्मासन या सुखासन में रीढ़, गले व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दायीं नासिका को बंद कर बायीं नासिका से गहरी, धीमी व लम्बी श्वास अंदर लें। उसके बाद बायीं नासिका को बंद कर दायीं नासिका से लंबी गहरी तथा धीमी प्रश्वास बाहर निकालें। इसके तुरंत बाद इसी नासिका से श्वास लेकर बायीं नासिका से प्रश्वास करें। यह नाढ़ी शोधन प्राणायाम की एक आवृत्ति है। इसकी प्रारम्भ में 10 आवृत्तियों का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या 24 तक कर लें। योग्य मार्गदर्शन में ही इसका अभ्यास किया जाना चाहिए।





इन बातों पर भी ध्यान दें

जुकाम, सर्दी तथा वायरल की स्थिति में फल के साथ-साथ हल्का सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। यदि तरल आहार लिया जाए तो रोग दो दिन में नियंत्रण में आ जाता है। मौसमी सब्जियों का गरम सूप लें। विटामिन ए और सी युक्त आहार लेना चाहिए।

जुकाम की अवस्था में धूम्रपान एवं मद्यपान बहुत हानिकारक है। अतः इसे बंद करना ही बेहतर होगा।

गरम नमकीन पानी के गरारे एवं आराम से लाभ होता है।



RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

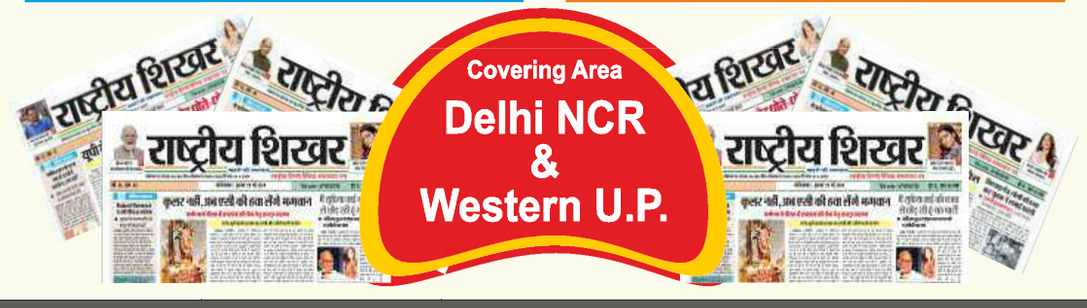
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा: श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है।

अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थीज जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं।

अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में भी अपनी पहचान बनाई है।



16 साल की उम्र में ही दीपिका पादुकोण ने तय कर लिया था अभिनेत्री बनना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत और अपने शुरुआती सपनों के बारे में बताया है। आज दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद और सफल अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने खुलासा किया कि महज 16 साल की उम्र में ही उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है, फिल्म ट्रिपल एक्स - द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से हॉलीवुड में कदम रखने के बाद, वे लोकप्रिय द एलेन डीजेनेरेस शो में भी बतौर मेहमान शामिल हुई थीं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब प्रोफेशनल तौर पर खेल को करियर के रूप में देखना आम बात नहीं थी। उस समय अधिकतर लोग डॉक्टर या वकील बनने का सपना देखते थे, लेकिन उनके पिता ने एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो दीपिका ने जवाब दिया कि वे ऐसा करके अपने पिता को खुश कर सकती थीं, लेकिन उनके पिता ने हमेशा यही सीख दी कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपने गहरे प्रेम को व्यक्त करते हुए दीपिका ने दोहराया कि 16 साल की कम उम्र में ही उन्हें यह निश्चित रूप से पता चल गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें असीम खुशी और संतोष देता है। दीपिका ने एलेन को एक प्रेरक घटना भी बताई। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करवाने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय, युवा दीपिका ने अपनी मां को पूरा भरोसा दिलाया था कि वे न केवल उनके पैसे लौटा देंगी, बल्कि एक दिन उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। यह घटना उनके दृढ़ निश्चय और अपनी कला के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका ने भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

● छोटे बाल करवाने पर माता-पिता ने दी प्रतिक्रिया

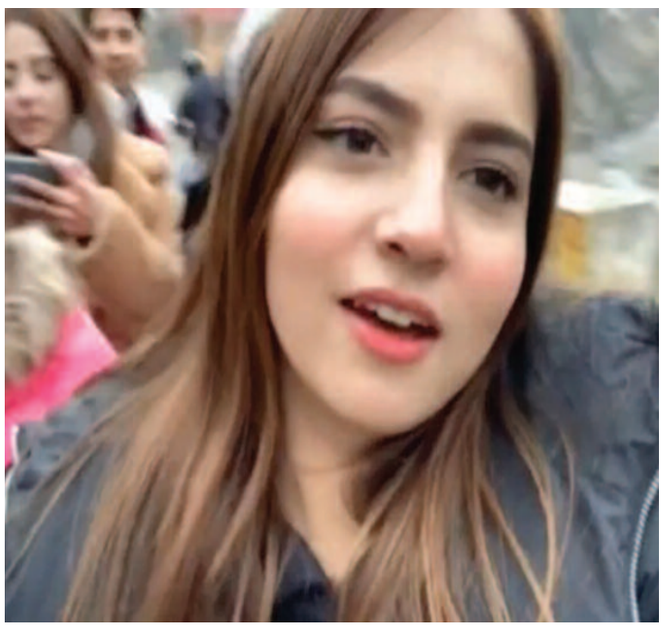
5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम-चैप्टर 1 उधिरम-द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

दानानीर मोबीन की तो निकल पड़ी



इंटरनेट पर पार्टी हो रही है वाले वायरल वीडियो से रातोंरात सुर्खियां बटोर कर फिल्मी दुनियां में धमाल करने वाली दानानीर मोबीन ने अब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि भी हासिल कर ली है। दरअसल पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार-अभिनेत्री ने मॉस्को में आयोजित दूसरे ओपन यूरेशियन फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का डायमंड बटरफ्लाई अवॉर्ड जीतकर सभी को हैरान कर दिया है। इस बड़ी कामयाबी के लिए न सिर्फ उनके घर-परिवार व करीबी बल्कि पाकिस्तानी और हिंदुस्तानी प्रशंसक भी खासे खुश नजर आए हैं। दानानीर को यह सम्मान उनकी फिल्म मेरा लियारी में शानदार अभिनय के लिए मिला है। इस फिल्म में उन्होंने कराची के एक पिछड़े और बदनाम इलाके की उस मजबूत इरादों वाली लड़की का किरदार निभाया है, जो फुटबॉल खिलाड़ी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए सामाजिक बाधाओं और दबावों से डटकर मुकाबला करती है।



दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब: रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं।

शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

रणबीर, साई पल्लवी और यश का चला जादू

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत रामायण पार्ट-1 बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। 5 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे रविवार को करीब 75 करोड़ रुपए की कमाई की, जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए दूसरे रविवार की सबसे बड़ी कमाई में शामिल हो गई है। फिल्म की कुल घरेलू नेट कमाई 760 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की खबर है। फिल्म को शुरुआती दौर में दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। समीक्षकों के एक वर्ग ने इसके भव्य दृश्यांकन, तकनीकी गुणवत्ता और बड़े पैमाने पर तैयार किए गए संसार की सराहना की, जबकि कहानी और चरित्रों की गहराई को लेकर सवाल उठे। पर देखते ही देखते फिल्मी कलाकारों के किरदार और कला का जादू चल ही गया। बड़ी स्टारकास्ट, भारतीय पौराणिक कथा और अत्याधुनिक तकनीक का मेल फिल्म की व्यावसायिक ताकत बना हुआ है।



स्टूडेंट ऑफ द ईयर:आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

इटली की सांसद बर्गमिनी ने की फिलिबेक के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारा लगाने की आलोचना

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गमिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।



उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छोड़। बर्गमिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक हस्तियों के दखल को लेकर कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा- क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता हो? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और उनसे माफी की मांग की।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

● बिना मंजूरी लिए यूजर्स की फोटो और वीडियो देखने का है आरोप

रोम,एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने मेटा को 60 दिन का समय दिया है। कंपनी को इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करना होगा, साथ ही इसे इस्तेमाल करने से पहले यूजर्स से अलग और मंजूरी लेनी होगी। अथॉरिटी ने कहा है कि वह मेटा के एक दूसरे फीचर की भी अलग से जांच कर सकती है। यह फीचर 2026 में लॉन्च हुआ था और यूजर्स की गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करता है। मेटा ने इस फैसले से असहमति जताई और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है। कंपनी का कहना है कि यह एक सामान्य फीचर है, जो लोगों को फेसबुक पर फोटो और वीडियो पोस्ट करने में मदद करता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स अपने फोन की सेटिंग में जाकर इसकी परमिशन बदल सकते हैं। इस मामले की जांच में यह पता नहीं लगाया गया कि यूजर्स की फोटो और वीडियो का इस्तेमाल एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुआ था या नहीं। मेटा ने ऐसे इस्तेमाल से इनकार किया है।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित ससाहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए।



'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म

दोनों देशों ने व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने संभावनाएं तलाशीं

मोगादिशु, एजेंसी। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।



ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)